अकबरी लोटा

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» लोटे की मांग के पीछे 'इज्जत' का दबाव

प्रश्न 1 (आसान). कहानी में चिंता सिर्फ पैसों की नहीं–तो किसकी भी है?
उत्तर – प्रतिष्ठा/इज्जत और साख की भी।

प्रश्न 2 (आसान). 'घर में अपनी साख' का मतलब क्या है?
उत्तर – अपने ही घरवालों के बीच लोग आपके बारे में क्या सोचेंगे।

प्रश्न 3 (मध्यम). अगर वादा पूरा न हो, तो पात्र के मन में क्या डर बढ़ जाता है?
उत्तर – लोगों और अपने ही घर में इज्जत/वाहवाही घटने का डर।

प्रश्न 4 (कठिन). लोटे की मांग के पीछे 'इज्जत' के दबाव को एक वाक्य में समझाओ।
उत्तर – लोटा/वचन की जरूरत सिर्फ काम के लिए नहीं, बल्कि वादा निभाकर अपनी प्रतिष्ठा और वाहवाही बनाए रखने के दबाव के कारण है।

» मदद की रणनीति: पं. बिलवासी मिश्र से माँग-जाँच

प्रश्न 5 (आसान). पं. बिलवासी मिश्र ने सबसे पहले क्या साफ कहा?
उत्तर – "मेरे पास हंै तो नहीं" यानी उनके पास अभी पैसे नहीं हैं।

प्रश्न 6 (आसान). "माँग-जाँच" का मतलब इस कहानी में क्या है?
उत्तर – दूसरों से कोशिश करके/ढूँढकर पैसे लाने की कोशिश करना।

प्रश्न 7 (मध्यम). लाला झाऊलाल को रणनीति से क्या मिला–'दिशा' या 'गारंटी'?
उत्तर – रणनीति से दिशा मिली, गारंटी नहीं–क्योंकि कोशिश का वादा है, पैसे का पक्का इंतज़ाम नहीं।

प्रश्न 8 (कठिन). लाला झाऊलाल की घबराहट फिर भी क्यों बनी रहती है, जबकि मदद की योजना हो चुकी थी?
उत्तर – क्योंकि पं. बिलवासी मिश्र के पास तुरंत पैसे नहीं हैं; वे सिर्फ "माँग-जाँच" की कोशिश करेंगे। यानी मिलना अनिश्चित है, इसलिए शाम तक तनाव बना रहता है।

» अकस्मात घटना: छत से लोटा गिरना

प्रश्न 9 (आसान). अकस्मात घटना का मतलब क्या है?
उत्तर – जो अचानक हो जाए, पहले से तय न हो।

प्रश्न 10 (आसान). यहाँ घटना (घटित होना) क्या है?
उत्तर – छत से लोटा गिरना।

प्रश्न 11 (मध्यम). कारण–घटना–परिणाम में 'शोर का हल्ला' किस हिस्से का संकेत है?
उत्तर – परिणाम का संकेत है, यानी घटना के असर से लोग इकट्ठा/प्रभावित हो रहे हैं।

प्रश्न 12 (कठिन). क्यों छत से 'भरा हुआ लोटा' गिरना 'हँसी-खेल' नहीं माना गया? कारण-घटना-परिणाम से समझाओ।
उत्तर – क्योंकि कारण छोटा-सा है (लोटा छूटना), लेकिन घटना ऊँची जगह से भारी वस्तु का गिरना है। इसका परिणाम बड़ा होता है–शोर और भीड़, जिससे आगे का माहौल बदल जाता है।

» दो-चार जोड़कर स्थिति समझना (तुरंत अनुमान)

प्रश्न 13 (आसान). संकेत: किसी के कपड़े भीगे हैं। घटना: पास में लोटा/बाल्टी गिरने जैसी आवाज़ हुई। अनुमान क्या होगा?
उत्तर – अंदाज़ा होगा कि भीगने का कारण वही गिरा हुआ पानी/लोटा है।

प्रश्न 14 (आसान). संकेत: पैर में चोट/दर्द का भाव और शरीर हिलाना। घटना: कोई चीज़ गिरी। अनुमान कैसे लिखोगे?
उत्तर – लिखोगे कि गिरने की वजह से झटका लगा होगा, इसलिए दर्द हुआ।

प्रश्न 15 (मध्यम). कहानी में अंग्रेज के भीगे होने और नाचने को लाला झाऊलाल ने कैसे जोड़ा होगा? 3-4 बिंदु लिखो।
उत्तर – भीगा होना = पानी लगा; नाचना/पैर सहलाना = झटका/दर्द; ऊपर लोटा गिरना = कारण; इसलिए निष्कर्ष कि लोटा टकराकर अंग्रेज तक पहुँचा।

प्रश्न 16 (कठिन). मान लो तुम्हें सिर्फ यह पता हो कि 'नीचे शोर हुआ' और 'एक व्यक्ति भीगा था'। फिर भी गलत अनुमान न करते हुए तुम किन 2 और संकेतों की तलाश करोगे?
उत्तर – लोगों की प्रतिक्रिया/दौड़ने की दिशा और व्यक्ति के शरीर की हरकत (दर्द/झटका) जैसे संकेत–ताकि कारण टकराव/पानी पड़ने से जुड़ सके।

» पहचान का उलटा व्यवहार: अंग्रेश का 'समझना/न जानना'

प्रश्न 17 (आसान). कहानी में 'पहचान का उलटा व्यवहार' का मतलब क्या है?
उत्तर – पहले समझ जैसा व्यवहार, फिर पहचान सामने आते ही अनजान/इनकार जैसा उलट व्यवहार।

प्रश्न 18 (आसान). अंग्रेज़ के व्यवहार में 'उलटा' कहाँ दिखता है?
उत्तर – मालिक की पहचान होने पर भी वो सीधे/स्पष्ट जवाब की जगह अटपटा, अनजान सा प्रतिक्रिया देता है।

प्रश्न 19 (मध्यम). ऐसा उलटा व्यवहार हास्य और तनाव दोनों कैसे बना देता है?
उत्तर – क्योंकि पाठक/पात्र कारण-निष्कर्ष तक पहुँचते हैं, पर दूसरा पात्र उल्टा/टेढ़ा व्यवहार करके कन्फ्यूजन पैदा करता है।

प्रश्न 20 (कठिन). लाला झाऊलाल के 'संकेत जोड़कर समझना' और अंग्रेज़ के 'समझना/न जानना' वाले उलट व्यवहार–इनमें क्या विरोधाभास (contrast) बनता है? 2-3 बिंदुओं में लिखो।
उत्तर – लाला संकेत+घटना जोड़कर सीधे निष्कर्ष निकालते हैं; अंग्रेज़ पहचान मिलते ही सीधी स्वीकारोक्ति/स्पष्ट बात नहीं करता। इससे लाला की समझ और अंग्रेज़ के व्यवहार में अंतर आता है, यानी एक तरफ तार्किक जवाब, दूसरी तरफ अटपटी/अनजान प्रतिक्रिया–यही contrast तनाव/हास्य देता है।

» मुठभेड़ का समाधान: बिलवासी मिश्र की नियंत्रण-भरी कार्रवाई

प्रश्न 21 (आसान). बिलवासी मिश्र 'भीड़ को हटाना' क्यों करते हैं?
उत्तर – ताकि माहौल नियंत्रण में रहे और झगड़ा न बढ़े।

प्रश्न 22 (आसान). अंग्रेज को बैठाने का मतलब क्या है?
उत्तर – उसे शांत और सुरक्षित स्थिति देना, ताकि डर/उत्तेजना कम हो।

प्रश्न 23 (मध्यम). कहानी में संघर्ष व्यवस्था/नियंत्रण से कैसे सुलझता है?
उत्तर – बिलवासी मिश्र भीड़ हटाकर स्थिति संभालते हैं और मामले को तय/व्यवस्थित रास्ते की तरफ ले जाते हैं–शोर/बहस से नहीं।

प्रश्न 24 (कठिन). अगर बिलवासी मिश्र भीड़ हटाए बिना सिर्फ बात करते, तो क्या समस्या हो सकती थी? और समाधान कैसे अलग होता?
उत्तर – बिना नियंत्रण के माहौल बिगड़ता, अंग्रेज/लोग और घबरा जाते, बात व्यक्तिगत टकराव में फँस जाती। समाधान में समय लगता और व्यवस्था की दिशा कमजोर पड़ती; नियंत्रण वाला तरीका अपनाने से शोर रुकता और तय रास्ता खुलता।

» ऐतिहासिक 'अकबरी लोटा' का प्रसंग और उसका आकर्षण

प्रश्न 25 (आसान). 'अकबरी लोटा' का नाम क्यों पड़ा?
उत्तर – क्योंकि अकबर ने उस लोटे को अपने साथ लिया था और उससे जुड़ी कहानी हुमायूँ-ब्राह्मण की घटना से है।

प्रश्न 26 (आसान). कहानी में लोटा लापता कैसे दिखता है?
उत्तर – वह शाही घराने में रहने के बाद बाद में लापता हो गया।

प्रश्न 27 (मध्यम). अकबर के वज़ू करने से लोटे का महत्त्व कैसे बढ़ता है?
उत्तर – क्योंकि वज़ू जैसी आस्था/धार्मिक आदत से जुड़ने पर लोटा सिर्फ वस्तु नहीं रहता, विरासत और पवित्रता का संकेत बन जाता है।

प्रश्न 28 (कठिन). 'सूचना' कहानी में मूल्य कैसे बनाती है–समझाकर लिखो।
उत्तर – कहानी बताती है कि लोटा हुमायूँ की जान बचाने और अकबर के वज़ू जैसी घटनाओं/इतिहास से जुड़ा है, इसलिए उसकी पहचान और विरासत बढ़ती है। जब असली लोटा लापता है और संग्रहालय में केवल मॉडल है, तब लोग असली चीज़ को अधिक चाहने लगते हैं; यानी इतिहास की सूचना ही उसके महत्त्व/कीमत को बढ़ा देती है।

» नीलामी जैसी होड़: मूल्य बढ़ाने की मनोवृत्ति

प्रश्न 29 (आसान). नीलामी जैसी होड़ शुरू कहाँ से होती है?
उत्तर – 'दाम लगाइए' वाली बातचीत/पहली बोली से।

प्रश्न 30 (आसान). कीमत बढ़ने का मुख्य कारण सिर्फ वस्तु का धातु-भाग है या कुछ और?
उत्तर – कुछ और–चाहत और प्रतिष्ठा की प्रतिस्पर्धा।

प्रश्न 31 (मध्यम). अगर कोई व्यक्ति बोली बढ़ाता है तो उसके पीछे कौन-सी मनोवृत्ति दिखती है?
उत्तर – यह दिखता है कि उसे लगता है 'मैं पीछे नहीं हटूँगा', उसकी चाहत/इज्जत जुड़ी है।

प्रश्न 32 (कठिन). बिलवासी जी और साहब के संवादों को जोड़कर बताइए कि 500 तक पहुँचने में कौन-सा 'चेन रिएक्शन' काम करता है?
उत्तर – पहली बोली से प्रतिस्पर्धा शुरू होती है; जिसे ताव आ जाता है वो तुरंत अगली, बड़ी बोली लगाता है। यह 'पछाड़ने' की चाहत वाला चेन रिएक्शन है–हर नई बोली के साथ अगला व्यक्ति कीमत और बढ़ा देता है।

» 'सही व्यक्ति' का सही समय पर भुगतान: बिलवासी की वास्तविक चाबी

प्रश्न 33 (आसान). कहानी में बिलवासी मिश्र रुपये कहाँ से निकालते दिखते हैं?
उत्तर – पत्नी के गले की सिकड़ी/ताली से संदूक खोलकर, उसमें रखे ढाई सौ नोट।

प्रश्न 34 (आसान). बिलवासी की वास्तविक 'चाबी' किस चीज़ को दर्शाती है?
उत्तर – संदूक खोलने वाली ताली–और उससे भी बढ़कर, पहले की गुप्त तैयारी।

प्रश्न 35 (मध्यम). 'सही व्यक्ति' का 'सही समय पर भुगतान' यहाँ कैसे समझ आएगा–दो कारण लिखो।
उत्तर – पहला, पैसे पहले से संदूक में थे; दूसरा, बोली/लेन-देन के समय वे तुरंत संदूक से नोट रखकर सौदा आगे बढ़ाते हैं।

प्रश्न 36 (कठिन). अगर बिलवासी मिश्र ने पहले से तैयारी नहीं की होती, तो कहानी में नीलामी/लेन-देन पर क्या असर पड़ता? लिखो कि कारण क्या होता।
उत्तर – अगर तैयारी न होती तो बोली के चरम समय पर भुगतान देर से होता; इसलिए सौदा अटक सकता था या गलत समझ पैदा होती–क्योंकि रुपये का स्रोत मौके पर उपलब्ध नहीं रहता।

» भाषा-कौशल: मुहावरे/सीधी-सी बात के बजाय रोचकता

प्रश्न 37 (आसान). कहानी में रोचकता बढ़ाने के लिए लेखक सीधे बयान के बजाय क्या करता है?
उत्तर – मुहावरों, चटपटे उदाहरणों और संवादों का प्रयोग करता है।

प्रश्न 38 (आसान). मुहावरा चुनने के बाद सबसे पहले क्या करना चाहिए?
उत्तर – उसका अर्थ और भाव/स्थिति समझनी चाहिए।

प्रश्न 39 (मध्यम). अगर मुहावरे का अर्थ गलत लगा, तो वाक्य कैसे होगा?
उत्तर – वाक्य का भाव बिगड़ जाएगा और वाक्य ठीक/प्रभावी नहीं लगेगा।

प्रश्न 40 (कठिन). एक ही बात को सीधी-सी तरह बोलने और मुहावरे/रोचक वाक्य में कहने में अंतर क्या होता है?
उत्तर – मुहावरे/रोचक वाक्य से बात में 'भाव' और 'असर' आता है, इसलिए वह यादगार और मजेदार लगती है; सीधी बात में उतनी रंगीनता नहीं होती।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. लाला झाऊलाल ने चार दिन बीत जाने के बाद घबराकर बात की। बताओ–उनकी चिंता में 'इज्जत' का दबाव कैसे दिखता है? दो कारण लिखो।

› पहला कारण पहचानो: वादा न निभा पाने पर प्रतिष्ठा पर असर
› दूसरा कारण पहचानो: घर/समाज में साख और वाहवाही का टूटना
› उसी अनुसार दो बिंदु लिखो

उत्तर – उनकी चिंता में 'इज्जत' का दबाव इस तरह दिखता है: (1) वादा समय पर न देने से उनकी प्रतिष्ठा/मान-प्रतिष्ठा को चोट लगेगी, (2) अपने ही घर-समाज में साख और वाहवाही की बातें टूट जाएँगी, इसलिए वे शर्मिंदगी और घबराहट महसूस करते हैं।

उदाहरण 2. कहानी के आधार पर लाला झाऊलाल की 'मदद की रणनीति' को 3 बिंदुओं में लिखिए: (i) सहायता देने वाले के पास क्या है/नहीं है, (ii) वो क्या करने की कोशिश करेगा, (iii) वो कब मिलने की बात करेगा?

› पहला बिंदु: पं. बिलवासी मिश्र के पास तत्काल क्या स्थिति है–उनके पास पैसा है या नहीं
› दूसरा बिंदु: वो पैसे कैसे लाएँगे–उनकी 'माँग-जाँच' वाली कोशिश
› तीसरा बिंदु: वो कब मिलेंगे–समय का भरोसा

उत्तर – (i) पं. बिलवासी मिश्र के पास अभी पैसे नहीं हैं ("मेरे पास हंै तो नहीं"), (ii) वो कहीं से माँग-जाँचकर लाने की कोशिश करेंगे ("माँग-जाँचकर लाने की कोशिश करूँगा"), (iii) अगर मिल गया तो वो कल शाम को मकान पर मिलेंगे ("कल शाम को तुमसे मकान पर मिलूँगा").

उदाहरण 3. लाला झाऊलाल के लोटे की घटना को कारण–घटना–परिणाम में लिखो: कारण क्या बना, घटना क्या हुई, और परिणाम क्या निकला?

› कारण लिखो: लोटा छूट गया और नीचे की तरफ चला।
› घटना लिखो: ऊँचाई से लोटा गिरा और गली में शोर हुआ।
› परिणाम लिखो: लोग दौड़कर आ गए, भारी भीड़ बन गई और आगे का माहौल/कहानी बदल गई।

उत्तर – कारण: लोटा हाथ से छूटकर नीचे की ओर चल पड़ा। घटना: छत/ऊँचाई से लोटा गिरा और गली में शोर मच गया। परिणाम: लोग दौड़कर इकट्ठा हुए, भारी भीड़ आ गई और कहानी का बड़ा मोड़ शुरू हो गया।

उदाहरण 4. कहानी में लाला झाऊलाल को अंग्रेज के भीगा होने और पैर पर हाथ रखकर नाचने से 'क्या हुआ होगा' का अंदाज़ा कैसे लगा होगा? संकेतों (भीगा होना, नाचना/दर्द) को लोटा गिरने की घटना से जोड़कर 4-5 लाइन में बताओ।

› पहला संकेत पहचानो: अंग्रेज नखशिख से भीगा है।
› दूसरा संकेत पहचानो: अंग्रेज एक पैर को सहला रहा है और नाच/हिल रहा है–मतलब झटका/दर्द लगा।
› घटना जोड़ो: ऊपर से लोटा गिरा और शोर हुआ–तो पानी/टकराव की संभावना है।
› कारण का निष्कर्ष बनाओ: लोटा गिरकर रास्ते में टकराया होगा और उसी पानी से अंग्रेज 'sangopang'/पूरी तरह भीगा हो गया।
› फिर लिखो: इसलिए लाला झाऊलाल ने बिना पूछताछ तुरंत स्थिति समझ ली।

उत्तर – लाला झाऊलाल ने संकेत जोड़कर अनुमान लगाया कि ऊपर से लोटा गिरने की घटना में लोटा/पानी अंग्रेज तक

पहुँचा है। अंग्रेज का नखशिख से भीगा होना और पैर को सहलाकर नाचना यह बताता है कि उसे गिरने के असर से झटका लगा होगा–यानी लोटा पहले टकराया होगा और फिर उसी से अंग्रेज को पानी लगा।

उदाहरण 5. कहानी में जब अंग्रेज़ को मालूम होता है कि लाला झाऊलाल उसी लोटे के मालिक हैं, तब वह एकदम अलग ढंग से प्रतिक्रिया देता है। 'पहचान का उलटा व्यवहार' के हिसाब से बताओ: (1) पहले उसके व्यवहार से हमें क्या संकेत मिलता है? (2) मालिक की पहचान सामने आने के बाद उसके व्यवहार में उलटाव क्या आता है? (3) इससे हास्य/तनाव कैसे बनता है?

› पहले संकेत देखो: अंग्रेज़ नखशिख से भीगा है और पैर पर हाथ रखकर नाच/अजीब हरकत कर रहा है–मतलब वह स्थिति को हल्का और "जैसा-वैसा" ले रहा है, डर/सीरियस जवाब नहीं।

› फिर उलटाव देखो: जब उसे मालिक की पहचान मिल जाती है, तब भी वो सीधे स्वीकार/सीधी बात नहीं करता; उसकी प्रतिक्रिया "खुला मुँह छोड़ देना" जैसी अटपटी, अनकही-सी बनती है–यानी 'समझना' के बावजूद 'न जानना/अनजान' वाला अभिनय जैसा।

› हास्य/तनाव जोड़ो: लाला झाऊलाल पहले ही संकेत जोड़कर कारण तक पहुँचे हैं, जबकि अंग्रेज़ की प्रतिक्रिया टेढ़ी है–इस अंतर से पाठक/कहानी के लोग कन्फ्यूज होते हैं, और यही कन्फ्यूजन हल्का हास्य और तनाव दोनों बनाता है।

उत्तर – पहले उसके नाच/अजीब व्यवहार से लगता है कि वो स्थिति को सहज/समझ वाली तरह ले रहा है। मालिक की पहचान मिलते ही वो सीधे स्वीकार नहीं करता, बल्कि अनकहा, अजीब-सा 'चौंक/अनजान' वाला उल्टा व्यवहार दिखाता है। इस उलटाव के कारण लाला के कारण-निष्कर्ष और अंग्रेज़ की प्रतिक्रिया में टकराव बनता है, इसलिए तनाव भी और हास्य भी पैदा होता है।

उदाहरण 6. आँगन में अंग्रेज के साथ तकरार हो रहा है और कुछ लोग घुस आते हैं। बिलवासी मिश्र को आगे क्या रणनीति अपनानी चाहिए ताकि संघर्ष व्यवस्था से सुलझे, केवल बहस से नहीं? (बताओ तीन कदम।)

› भीड़/आँगन में घुसे लोगों को पहले हटवाना, ताकि माहौल नियंत्रित रहे।

› अंग्रेज की शारीरिक/मानसिक हालत संभालना–उसे आराम से बैठाकर शांत करना।

› फिर मामला सही रास्ते पर ले जाना–रिपोर्ट/व्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ाना।

उत्तर – तीन कदम: (1) सबको बाहर निकालना (कंट्रोल), (2) अंग्रेज को बैठाकर आराम/शांति देना (स्थिति संभालना), (3) मामला व्यवस्था/रिपोर्ट की ओर मोड़ना (समाधान का रास्ता तय करना)।

उदाहरण 7. कहानी के आधार पर बताओ: 'अकबरी लोटा' का आकर्षण सिर्फ उसकी बनावट से नहीं, किस-किस ऐतिहासिक/घटनात्मक सूचनाओं से बनता है?

› लोटे से जुड़ी पहली घटना पहचानो: हुमायूँ की प्यास में ब्राह्मण द्वारा पानी पिलाना

› फिर 'अकबर' से जुड़ाव जोड़ो: अकबर का उस ब्राह्मण को ढूँढकर लोटा लेना

› धार्मिक-आस्था वाला संकेत लिखो: अकबर का इसी लोटे से वजू करना

› अंतिम मोड़ समझो: लोटे का लापता होना और संग्रहालय में प्लास्टर मॉडल का होना

› बताओ कि ये 'सूचना' वस्तु को महत्त्व और कीमत दोनों दिलाती है

उत्तर – 'अकबरी लोटा' का आकर्षण इसलिए बढ़ता है क्योंकि हुमायूँ को उसी लोटे से पानी पिलाकर जान बचाई गई, बाद में अकबर ने उस ब्राह्मण को ढूँढकर लोटा अपने साथ लिया, अकबर इसी लोटे से वजू करते थे, और फिर लोटा लापता हुआ लेकिन संग्रहालय में उसका प्लास्टर मॉडल बना रखा है–यानी इतिहास की ये सूचनाएँ ही उसे महत्त्वपूर्ण और आकर्षक बनाती हैं।

उदाहरण 8. कहानी के संवादों के आधार पर बताइए कि नीलामी जैसी होड़ में कीमत किस मनोवृत्ति के कारण बढ़ती है? फिर बोली-क्रम (लगभग) लिखिए।

› शुरुआत में देखें–दाम लगाइए वाली बात से बोली शुरू होती है।

› फिर प्रतिस्पर्धा की वजह समझो–एक-दूसरे को पछाड़ने की चाहत/प्रतिष्ठा जागती है।

› इस मनोवृत्ति के कारण हर बार अगला व्यक्ति कीमत बढ़ा देता है।

› अब बोली-क्रम पहचानो: पचास से शुरू होकर ढाई सौ तक, और फिर पाँच सौ।

उत्तर – कीमत इसलिए बढ़ती है क्योंकि पात्रों की चाहत और प्रतिष्ठा प्रतिस्पर्धा शुरू कर देती है; कोई पीछे नहीं रहना

चाहता। बोली-क्रम लगभग पचास सौ डेढ़ सौ दो सौ ढाई सौ, और फिर पाँच सौ तक जाता है।

उदाहरण 9. कहानी में बिलवासी मिश्र के "पैसे जुटाने" का वास्तविक तरीका समझिए। फिर यह भी लिखिए कि 'सही व्यक्ति का सही समय पर भुगतान' यहाँ कैसे साबित होता है। (3-4 बिंदुओं में कारण सहित लिखो।)

› घटना को ध्यान से देखो: अंत में बिलवासी का गुप्त काम खुलता है–वे पत्नी के गले की सिकड़ी/ताली से संदूक खोलते हैं।

› समझो कि यह संकेत देता है कि पैसे पहले से तैयार थे, अचानक नहीं आए।

› ढाई सौ नोट संदूक से रखे जाते हैं–यही भुगतान का ठोस स्रोत बनता है।

› फिर यही तैयारी सही समय पर काम करती है: बोली/लेन-देन के क्षण में भुगतान हो जाता है, सौदा आगे बढ़ता है।

› इसलिए 'सही व्यक्ति' (बिलवासी) के हाथ में 'सही समय' पर भुगतान पूरा होता है–और अंत में सत्य/पुष्टि भी मिलती है।

उत्तर – बिलवासी मिश्र ने पैसे किसी बाहरी मदद से नहीं, बल्कि पहले से पत्नी के गले में बँधी सोने की सिकड़ी/ताली के जरिए संदूक खोलकर रखे ढाई सौ नोटों से प्रबंध किया। अंत में यह गुप्त तैयारी खुलती है, और उसी कारण बोली/लेन-देन के सही वक्त पर भुगतान हो जाता है–यानी 'सही व्यक्ति' का सही समय पर भुगतान कहानी में प्रमाणित होता है।

उदाहरण 10. कहानी 'अकबरी लोटा' से एक चटपटा/मुहावरायुक्त वाक्य चुनकर उसका अर्थ लिखिए और उस मुहावरे का प्रयोग करते हुए अपना एक वाक्य बनाइए। (उदाहरण के लिए मान लो तुम्हें ऐसा वाक्य मिला: "वह काम फटाफट कर गया।")

› कहानी वाला वाक्य/मुहावरा कॉपी करो

› उस वाक्य में 'कैसे किया'–यानी गति/भाव क्या है–पहले लिखो

› मुहावरे/चटपट शब्द का सरल अर्थ लिखो (जैसे फटाफट = तुरंत, जल्दी)

› अब उसी भाव के साथ अपना नया वाक्य बनाओ

उत्तर – वाक्य: "वह काम फटाफट कर गया।"

अर्थ: तुरंत/जल्दी में काम पूरा हो गया।

मेरा वाक्य: "कल परीक्षा की तैयारी थी, फिर भी मैंने सिलेबस फटाफट पूरा कर लिया।"

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

- चरित्र-विश्लेषण में 'प्रतिष्ठा/साख' वाले कारण जरूर लिखो।
- रणनीति लिखते समय 'नहीं + कोशिश + समय' जरूर लिखो।
- उत्तर में हमेशा 3 हिस्से लिखो: कारण–घटना–परिणाम।
- उत्तर लिखते समय 'कैसे हुआ' जरूर जोड़ो, सिर्फ 'क्या दिखा' नहीं।
- उत्तर लिखते समय 'उलटाव' और 'संकेत-आधारित निष्कर्ष' जरूर जोड़ो।
- लिखो: नियंत्रण-भरी कार्रवाई = भीड़ हटाना + स्थिति संभालना + व्यवस्था की ओर मोड़ना।
- बोर्ड परीक्षा में कारण लिखो: 'सूचना' से महत्त्व/कीमत कैसे बनती है।
- उत्तर लिखते समय कारण भी लिखो: 'चाहत-प्रतिष्ठा से प्रतिस्पर्धा'।
- सवाल आए तो 'कहाँ से' ही नहीं, 'अंत में पुष्टि कैसे होती है' भी लिखना।
- कहानी से 5 मुहावरे निकालो: अर्थ + अपने 5 वाक्य ज़रूर लिखो।

एक नज़र में रिवीज़न

› इज्जत = प्रतिष्ठा + साख + वाहवाही का डर

› - नहीं पास, कोशिश करो, शाम तय।

› - कारण: छूटना | घटना: गिरना | परिणाम: शोर-भीड़

› - संकेत पकड़ो: भीगा + दर्द/नाच = लोटा का असर

› पहले समझ, फिर अनजान–यही उलटा व्यवहार।

› भीड़ हटाओ, साहब शांत बैठाओ, फिर व्यवस्था में चलो।

› इतिहास + वजू + लापता + संग्रहालय मॉडल = आकर्षण

› - चाहत/प्रतिष्ठा = बोली बढ़ती है

› - बिलवासी: तालीसंदूकढाई सौ नोट, समय पर भुगतान

› - चटपटा चुनो अर्थ लिखो वाक्य में सही प्रयोग